भारत सरकार
श्रम और रोजगार मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-1489
सोमवार, 01 जुलाई, 2019/10 आषाढ़, 1941 (शक)

शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगारी का अनुपात

1489. श्रीमती गीताबेन वजेसिंह भाई राठवाः

क्या श्रम और रोजगार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि शहरी क्षेत्रों की तुलना में ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगारी बढ़ी है;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ग) यदि नहीं, तो देश के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगारी का अनुपात कितना है?

उत्तर
श्रम और रोजगार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री संतोष कुमार गंगवार)

(क से ग): राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण कार्यालय (एनएसएसओ), सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा रोजगार एवं बेरोजगारी पर पंचवर्षीय श्रमबल सर्वेक्षण आयोजित किए गए थे। ऐसा पिछला सर्वेक्षण 2011-12 के दौरान आयोजित किया गया था। अब, एनएसएसओ वार्षिक आवधिक श्रमबल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) करने लगा है, जो 2017-18 के दौरान आयोजित किया गया था। देश में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में सभी आयु के व्यक्तियों की सामान्य स्थिति (प्रमुख स्थिति+सहायक स्थिति) आधार पर अनुमानित बेरोजगारी की दर नीचे दी गई हैः

बेरोजगारी की दर (% में)		
वर्ष	ग्रामीण	शहरी
2017-18* **(पीएलएफएस)**	**5.3**	**7.8**
2011-12 **(एनएसएस 68वां दौर)**	**1.7**	**3.4**
2009-10 **(एनएसएस 66वां दौर)**	**1.6**	**3.4**
2004-05 **(एनएसएस 61वां दौर)**	**1.7**	**4.5**

(टिप्पणीः *तुलना हेतु, एनएसएस सर्वेक्षणों के पूर्व के दौरों के साथ पीएलएफएस के परिणामों को उस संदर्भ में समझे जाने की आवश्यकता है जिसके तहत सर्वेक्षण की कार्य-पद्धति तथा प्रतिदर्श चयन को तैयार किया गया है)

*****